MP Board Class 10th Sanskrit Solutions Durva Chapter 14 समयस्य सदुपयोगः

प्रश्न 1.
एकपदेन उत्तरं लिखत-(एक पद में उत्तर लिखिए)।
(क) देवदुर्लभं किम्? (देवताओं द्वारा दुर्लभ क्या है?)
उत्तर:
मानवशरीरम् (मनुष्य का शरीर)।

(ख) अन्येषां वस्तूनाम् अपेक्षया अधिकः महत्त्वपूर्णः कः? (अन्य वस्तुओं की अपेक्षा क्या अधिक महत्वपूर्ण है?)
उत्तर:
समयः (समय)

(ग) किं परावर्तयितुं न शक्यते? (क्या लौटाया नहीं जा सकता?)
उत्तर:
समयः (समय)

(घ) जनाः समयस्य दुरुपयोगं कतिधा कुर्वन्ति? (लोग समय का दुरुपयोग कितने प्रकार से करते हैं?)
उत्तर:
द्विधा (दो प्रकार से)

(ङ) निष्क्रियाणां भारं वोढुं का नेच्छति? (निष्क्रिय लोगों का भार कौन नहीं उठाना चाहती?)
उत्तर:
कर्मभूमिः (कर्मभूमि)

प्रश्न 2.
एकवाक्येन उत्तरं लिखत-(एक वाक्य में उत्तर लिखिए)
(क) मानवजीवनस्य उन्नत्यै अतिमहत्त्वपूर्णं किं भवति? (मानवजीवन की उन्नति के लिए अधिक महत्वपूर्ण क्या होता है?)
उत्तर:
मानवजीवनस्य उन्नत्यै अतिमहत्त्वपूर्ण समयः भवति।। (मानवजीवन की उन्नति के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण समय होता है।)

(ख) के अप्रयोजनं गृहे गृहे अटन्ति? (कौन बिना कारण घर-घर भटकते हैं?)
उत्तर:
ये जनाः समयस्य दुरुपयोगं कुर्वन्ति ते अप्रयोजनं गृहे-गृहे अटन्ति। (जो लोग समय का दुरुपयोग करते हैं, वे बिना कारण घर-घर में भटकते हैं।)

(ग) प्रकृतिरपि किं शिक्षयति? (प्रकृति भी क्या सिखाती है?)
उत्तर:
प्रकृतिरपि समयस्य पालनं, कार्यपरायणताम् एव उपदिशति। (प्रकृति भी समय का पालन और कार्यपरायणता का ही उपदेश देती है।)

(घ) कीदृशाः छात्राः उच्चनागरिकाः अभवन्? (कैसे छात्र उच्चनागरिक हुए?
उत्तर:
वे छात्राः क्षणं क्षणं संयोज्य विद्याध्ययने समयस्य सदुपयोगं कृतवन्तः ते उच्चनागरिकाः अभवन्।
(जो छात्र पल-पल जोड़कर विद्याध्ययन में समय का सदुपयोग करते थे, वे उच्चनागरिक बने।)

(ङ) अस्माभिः किं कर्त्तव्यः? (हमारा क्या कर्त्तव्य है?)
उत्तर:
अस्माभिः कर्त्तव्यः यत् आलस्यं विहाय सर्वदैव समयस्य सदुपयोगः कर्त्तव्यः।
(हमें चाहिए कि आलस छोड़कर हमेशा समय का सदुपयोग करें)

प्रश्न 3.
अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत
(नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए)।
(क) जनाः समयस्य दुरुपयोगं कथं कुर्वन्ति? (लोग समय का दुरुपयोग कैसे करते हैं?)
उत्तर:
जनाः समयस्य दुरुपयोगं द्विधा कुर्वन्ति-व्यर्थयापनेन अकार्यकरणेन वा।

(लोग दो प्रकार से समय का दुरुपयोग करते हैं-व्यर्थ में बिताने से और न करने योग्य कार्य को करने से।)

(ख) केषां जन्य निरर्थकं भवति? (किनका जन्म निरर्थक होता है?)
उत्तर:
ये न अध्ययनं कुर्वन्ति न धर्मम् आचरन्ति न धनम् उपार्जयन्ति न वा मुक्तये प्रयासं कुर्वन्ति तेषां जन्म निरर्थकः भवति।

(जो न अध्ययन करते हैं, न धर्म पर चलते हैं, न धन कमाते हैं और न मुक्ति का प्रयास करते हैं, उनका जीवन निरर्थक होता है।)

(ग) के जनाः सर्वत्र तिरस्कृताः भवन्ति? (कौन लोग सब जगह तिरस्कृत होते हैं?)
उत्तर:
ये समयस्य दुरुपयोगं कुर्वन्ति, ते सर्वत्र तिरस्कृताः भवन्ति। (जो समय का दुरुपयोग करते हैं, वे सब जगह तिरस्कृत होते हैं।)

प्रश्न 4.
प्रदत्तशब्दैः रिक्तस्थानानि पूरयत (दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए-)
(निष्क्रियाणां, समयः, कार्य, सहयोगम्, तनयं)

https://www.evidyarthi.in/

(क) अन्येषां वस्तूनाम अपेक्षया अधिकः महत्त्वपूर्णः वर्तते।
उत्तर:
समयः।

(ख) कर्मभूमिः .... भारं वोढुम् नेच्छति।
उत्तर:
निष्क्रियाणां।

(ग) पितरौ अपि एतादृशं .... नाभिनन्दतः।
उत्तर:
तनयं।

(घ) .... वा साधयामि।
उत्तर:
कार्य।

(ङ) सर्वे एव तेषां .... इच्छन्ति
उत्तर:
सहयोगम्।

प्रश्न 5.
यथायोग्यं योजयत-(उचित क्रम से मिलाइए-)

‘अ’	‘आ’
(क) कार्यं वा साधेयम्	1. अतिपातयेत्
(ख) अधिकः मूल्यवान्	2. कर्त्तव्यः
(ग) न कार्यकालम्	3. देहं वा पातेयम्
(घ) महापुरुषाः	4. समयः
(ङ) समयस्य सदुपयोगः	5. प्रसिद्धाः

उत्तर:
(क) 3
(ख) 4
(ग) 1
(घ) 5
(ङ) 2

प्रश्न 6.
शुद्धवाक्यानां समक्षम् “आम्” अशुद्धवाक्यानां समक्षं “न” इति लिखत
(शुद्ध वाक्यों के सामने ‘आम्’ और अशुद्ध वाक्यों के सामने ‘न’ लिखिए)
(क) अस्माभिः समयस्य सदुपयोगः कर्त्तव्यः।
(ख) परिश्रमः अस्माकं जीवनस्य उन्नत्यै भवति।

(ग) मानवशरीरं देवदुर्लभं नास्ति।
(घ) भगवान् शङ्कराचार्यः अहोरात्रं परिश्रमं कृतवान्।
(ङ) कार्यकालमतिपातयेत्।
उत्तर:
(क) आम्
(ख) आम्
(ग) न
(घ) आम्
(ङ) न

प्रश्न 7.
अधोलिखितशब्दानां मूलशब्दं विभक्तिं वचनञ्च लिखत
(नीचे लिखे शब्दों के मूलशब्द, विभक्ति और वचन लिखिए)

शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
यथा– कार्येषु	कार्य	सप्तमी	बहुवचनम्
(क) विद्वान्सः			
(ख) अपेक्षया			
(ग) स्वार्थाय			
(घ) गृहे			

उत्तर:

शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क) विद्वान्सः	विद्वस्	प्रथमा	बहुवचनम्
(ख) अपेक्षया	अपेक्षा	तृतीया	एकवचनम्
(ग) स्वार्थाय	स्वार्थ	चतुर्थी	एकवचनम्
(घ) गृहे	गृह	सप्तमी	एकवचनम्

प्रश्न 8.
अधोलिखितपदानां सन्धिविच्छेदं कृत्वा सन्धिनाम लिखत
(नीचे लिखे पदों के सन्धि-विच्छेद कर सन्धि का नाम लिखिए-)

यथा– यथोक्तम्	–	यथा+उक्तम्–गुणसन्धि
(क) अधिकश्च		
(ख) यत्रैव		
(ग) केऽपि		
(घ) अद्यावधि		

उत्तर:

(क) अधिकश्च	अधिकः + च	विसर्ग सन्धि
(ख) यत्रैव	यत्र + एव	वृद्धि सन्धि
(ग) केऽपि	के + अपि	पूर्वरूप सन्धि
(घ) अद्यावधि	अद्य + अवधि	दीर्घ सन्धि

प्रश्न 9.
अधोलिखितपदानां समासविग्रहं कृत्वा समासनाम लिखत
(नीचे लिखे पदों के विग्रह कर समास का नाम लिखिए)

यथा– पितरौ	–	माता च पिता च	द्वन्द्वसमासः
(क) कार्यकालम्			
(ख) जीवनचरित्रस्य			
(ग) महापुरुषाः			
(घ) अहोरात्रम्			

उत्तर:

(क) कार्यकालम्	–	कार्यस्य कालम्	(षष्ठी तत्पुरुष)
(ख) जीवनचरित्रस्य	–	जीवनस्य चरित्रस्य	(षष्ठी तत्पुरुष)
(ग) महापुरुषाः	–	महान् च असौ पुरुषः	(कर्मधारय)
(घ) अहोरात्रम्	–	अहश्च रात्रश्च	(द्वन्द्व)

प्रश्न 10.
रेखाङ्कितपदानाधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत
(रखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्न बनाइए-)
(क) समयः अधिकमहत्त्वपूर्णः अस्ति। (समय अधिक महत्त्वपूर्ण है।)
उत्तर:
(क) कः अधिकमहत्त्वपूर्णः अस्ति? (क्या अधिक महत्त्वपूर्ण है?)

(ख) केचिज्जनाः समयस्य दुरुपयोगं कुर्वन्ति। (कुछ लोग समय का दुरुपयोग करते हैं)
उत्तर:
कोचेज्जनाः कस्य दुरुपयोगं कुर्वन्ति? (कुछ लोग किसका दुरुपयोग करते हैं?)

(ग) पितरौ तनयं नाभिनन्दतः। (माता-पिता पुत्र से खुश नहीं होते)
उत्तर:
कौ तनयं नाभिनन्दतः? (कौन पुत्र से खुश नहीं होते?)

(घ) सर्वे एव तेषां सहयोगमिच्छन्ति। (सभी उनका सहयोग करना चाहते हैं।
उत्तर:
सर्वे एव केषां सहयोगमिच्छन्ति? (सभी किनका सहयोग करना चाहते हैं?)

(ङ) एकमपि क्षणं व्यर्थं न यापनीयम्। (एक भी क्षण व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए)
उत्तर:
(एकमपि किं व्यर्थं न यापनीयम्?) (एक भी क्या व्यर्थं नहीं गँवाना चाहिए?)

https://www.evidyarthi.in/